मेसोपोटामिया की सभ्यता को विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक माना जाता है। यह सभ्यता टाइग्रिस (Tigris) और यूफ्रेटीज़ (Euphrates) नदियों के बीच स्थित उपजाऊ क्षेत्र में विकसित हुई थी, जो आज के इराक, कुवैत और सीरिया के कुछ हिस्सों में आता है। "मेसोपोटामिया" शब्द ग्रीक भाषा के 'meso' (बीच में) और 'potamos' (नदी) से बना है, जिसका अर्थ है — "दो नदियों के बीच की भूमि"।

---

1. उद्भव और भौगोलिक स्थिति

यह सभ्यता लगभग 3500 ई.पू. के आसपास उभरी।

यह क्षेत्र उपजाऊ अर्धचंद्राकार क्षेत्र (Fertile Crescent) का हिस्सा था, जहाँ नदियों की बाढ़ से मिट्टी अत्यंत उपजाऊ बनती थी।

प्रमुख नगरों में सुमेर (Sumer), उर (Ur), उरुक (Uruk), लगश (Lagash) और बाद में बेबीलोन (Babylon) प्रसिद्ध थे।

---

2. प्रमुख सभ्यताएँ

मेसोपोटामिया की सभ्यता एकल नहीं थी; यहाँ अनेक सभ्यताओं का उत्थान-पतन हुआ:

1. सुमेरी सभ्यता (Sumerian Civilization) — सबसे प्राचीन; नगर-राज्य प्रणाली।

2. अक्कादी सभ्यता (Akkadian Civilization) — सर्गन महान (Sargon the Great) ने पहला साम्राज्य स्थापित किया।

3. बेबीलोनियन सभ्यता (Babylonian Civilization) — हम्मुराबी (Hammurabi) का शासन और उसका प्रसिद्ध न्याय संहिता।

4. असीरियन सभ्यता (Assyrian Civilization) — सैन्य शक्ति और प्रशासनिक संगठन के लिए प्रसिद्ध।

5. नव-बेबीलोनियन सभ्यता (Neo-Babylonian) — नबूखदनेज़र द्वितीय (Nebuchadnezzar II) के समय अपनी चरम सीमा पर।

---

3. शासन और समाज

प्रारंभिक सुमेरी नगर-राज्य स्वतंत्र थे और हर नगर का अपना राजा (Lugal) तथा देवता होता था।

समाज में वर्ग विभाजन स्पष्ट था:
राजा → पुरोहित → सैनिक → व्यापारी → किसान → दास।

महिलाएँ कई धार्मिक और आर्थिक कार्यों में भाग लेती थीं।

---

4. धर्म और संस्कृति

ये लोग बहुदेववादी (Polytheistic) थे — जैसे अनु (Anu) (आकाश देवता), एन्लिल (Enlil) (वायु देवता), इनन्ना/ईश्तर (Inanna/Ishtar) (प्रेम और युद्ध की देवी)।

हर नगर में एक विशाल ज़िगुरैट (Ziggurat) होता था, जो देवता का मंदिर और धार्मिक केंद्र था।

मृत्यु के बाद के जीवन को अंधकारमय मानते थे।

---

5. लेखन और ज्ञान

कीलाक्षर लिपि (Cuneiform Script) का आविष्कार इन्हीं लोगों ने किया। यह मिट्टी की तख्तियों पर लिखी जाती थी।

गणित, ज्योतिष, खगोलशास्त्र और वास्तुकला में इन्हें उच्च ज्ञान था।

उन्होंने 60 का आधार (sexagesimal system) उपयोग किया — इसी से 60 मिनट का एक घंटा और 360° का वृत्त प्रणाली विकसित हुई।

---

6. अर्थव्यवस्था

मुख्य रूप से कृषि पर आधारित।

नदियों से सिंचाई द्वारा फसलें उगाई जाती थीं — जौ, गेहूँ, खजूर, तिल आदि।

व्यापार में धातुएँ, कपड़ा, मिट्टी के बर्तन, और अनाज का लेन-देन होता था।

---

7. स्थापत्य और तकनीक

ज़िग्गुरैट, महल, और नगर नियोजन उनके तकनीकी कौशल का प्रमाण हैं।

ईंटों का प्रयोग (पकी और कच्ची दोनों) व्यापक रूप से हुआ।

उन्होंने पहिए का आविष्कार किया, जिससे परिवहन और कृषि में क्रांति आई।

---

8. पतन

लगभग 500 ई.पू. तक मेसोपोटामिया पर विदेशी आक्रमण (विशेषकर फारसियों द्वारा) और पर्यावरणीय परिवर्तनों के कारण यह सभ्यता धीरे-धीरे लुप्त हो गई।

निष्कर्ष

मेसोपोटामिया को “सभ्यता की जननी (Cradle of Civilization)” कहा जाता है।
यहाँ पहली बार संगठित शासन, लेखन, कानून, धर्म, और नगरीय जीवन की नींव रखी गई — जो आगे चलकर मिस्र, सिंधु और चीन जैसी अन्य सभ्यताओं के विकास की प्रेरणा बनी।